एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 04 (अप्रैल, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

आम में लगने वाले प्रमुख कीट एवं उनके रोकथाम

*मृत्युंजय सिंह, नवीन विक्रम सिंह, बाल मुकुंद पाण्डेय, राहुल कुमार एवं अंशुमान सिंह
कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: thakursahab7395@gmail.com

आम पूरे विश्व में अधिक पसंद किये जाने वाला रसीला फल है जो भारत में फलों के राजा के नाम से विख्यात है। आम का वैज्ञानिक नाम मेंगीफेरा इंडिका है । आम भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस का राष्ट्रीय फल है और बांग्लादेश में आम को राष्ट्रीय वृक्ष का दर्जा दिया गया है। भारत पूरे विश्व में आम के क्षेत्र एवं उत्पादन में प्रथम स्थान में है जो कि विश्व में आम के कुल उत्पादन का अकेला भारत लगभग 41 प्रतिशत योगदान करता है। आम के उत्पादन में उत्तरप्रदेश प्रथम व क्षेत्र में आंध्रप्रदेश प्रथम स्थान में है। छत्तीसगढ़ में लगाई जाने वाली कुछ उन्नत किस्में: दशहरी, लंगड़ा, आम्रपाली, बाम्बे ग्रीन, मल्लिका, सुन्दरजा, तोतापरी, नीलम, महमूद बहार एवं छत्तीसगढ़ नन्दीराज।

प्रमुख कीट एवं रोकथाम

गुठली का घुन (स्टोन बीविल) : इस कीट के इल्ली (लार्वा) एवं व्यस्क कीट फल के अंदर अपना भोजन निर्माण करता है। कुछ दिन बाद गूदे में घुस जाते हैं और नुकसान पहुँचाते हैं जिससे फल का विकास रूक जाता है।

रोकथाम

- इस कीड़े को नियंत्रित करना थोड़ा कठिन होता है इसलिए जिस भी पेड़ से फल नीचे गिरे, उस पेड़ की सूखी पत्तियों और शाखाओं को नष्ट कर देना चाहिए. इस से कुछ हद तक कीड़े की रोकथाम हो जाती है.|
- वाष्प गर्म उपचार: फलों को 46 °C तापमान पर 160 मिनट के लिये तथा 50°C तापमान पर 120 मिनट के लिए गर्म करने पर फल के अंदर आंतरिक कार्बनडाइ – ऑक्साइड (CO_2) बढ़ जाता है और आंतरिक ऑक्सीजन (O_2) की दर कम हो जाती है जिसके फलस्वरूप कीट की मृत्यु हो जाती है।
- जब फल नींबू के आकार के हों (2-5-5 सेमी व्यास), तब ऐसीफेट 75 एस.पी. 15 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिडक़ाव करें।

जाला कीट (टैंट केटरपिलर) : शुरुआती अवस्था में यह कीट पत्तियों की ऊपरी सतह को खाता है। उस के बाद पत्तियों का जाल या टैंट बना कर उस के अंदर छिप जाता है और पत्तियों का खाना जारी रखता है|

रोकथाम

- पहला उपाय तो यह है कि आजादीरैक्टिन 3000 पीपीएम ताकत का 1 मिलीलिटर को पानी में घोल कर छिड़कें।
- दूसरा उपाय यह है कि जुलाई में क्विनालफास 0.05 फीसदी या मोनोक्रोटोफास 0.05 फीसदी का 2-3 बार छिड़काव करें।

दीमक : यह सफेद, चमकीले और मिट्टी के अंदर रहने वाला कीट है। यह जड़ को खाता है, उस के बाद सुरंग बना कर ऊपर की ओर बढ़ता जाता है। यह तने के ऊपर कीचड़ का जमाव कर अपनेआप को सुरक्षित करता है|

रोकथाम : (इन उपायों से अपने पेड़ों को बचाएं)

- तने के ऊपर से कीचड़ के जमाव को हटाना चाहिए।
- तने के ऊपर 5 फीसदी मैलाथियान का छिड़काव करें।

- दीमक से छुटकारा पाने के 2 महीने बाद पेड़ के तने को मोनोक्रोटोफास (1 मिलीलिटर प्रति लिटर पानी) से मिट्टी पर छिड़काव करें।
- 10 ग्राम प्रति लिटर ब्यूवेरिया बेसिआना का घोल बना कर छिड़काव करें।

फुदका या भुनगा कीट : ये कीट आम की फसल को सब से ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इस कीट के लार्वा और व्यस्क दोनों ही कोमल पत्तियों व पुष्पों का रस चूस कर नुकसान पहुंचाते हैं। इस की मादा 100-200 अंडे नई पत्तियों व मुलायम प्ररोह में देती हैं और इन का जीवनचक्र 12-22 दनों में पूरा हो जाता है। इस का प्रकोप जनवरीफरवरी महीने से शुरू हो जाता है।

रोकथाम

- इस कीट से बचने के लिए ब्यूवेरिया बेसिआना फफूंद के 0.5 फीसदी घोल का छिड़ाकव करें। नीम का तेल 3000 पीपीएम प्रति 2 मिलीलिटर प्रति लिटर पानी में मिला कर घोल का छिड़काव कर के भी नजात पाई जा सकती है। इस के अलावा कार्बोरिल 0.2 फीसदी या क्विनालफास 0.063 फीसदी का घोल बना कर छिड़काव करने से भी राहत मिल जाएगी।

फल मक्खी (फ्रूट फ्लाई) : यह कीट आम के फल को बड़ी मात्रा में नुकसान पहुंचाने वाला है। इस कीट की सूंडियां आम के अंदर घुस कर गूदे को खाती हैं, जिस से फल खराब हो जाता है।

रोकथाम

- यौन गंध के प्रपंच का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस में मिथाइल यूजीनौल 0.08 फीसदी और मैलाथियान 0.08 फीसदी बना कर डब्बे में भर कर पेड़ों पर लटका देने से नर मक्खियां आकर्षित हो कर मर जाती हैं। एक हेक्टेयर के बाग में 10 डब्बे लटकाना सही रहेगा।

गाल मीज : इन के लार्वा बौर के डंठल, पत्तियों, फूलों और छोटेछोटे फलों के अंदर रह कर नुकसान पहुंचाते हैं। इन के प्रभाव से फल और फूल नहीं लगते। फलों पर प्रभाव होने पर फल गिर जाते हैं। इन के लार्वा सफेद रंग के होते हैं जो पूरी तरह विकसित होने पर जमीन में प्यूपा या कोसा में बदल जाते हैं।

रोकथाम

- इस कीट की रोकथाम के लिए गरमियों में गहरी जुताई करें। रासायनिक दवा 0.05 फीसदी फोस्फोमिडान का छिड़काव बौर घटने की स्थिति में करना चाहिए।